मासिक समाचार पत्र

RNI - MPHIN/2020/83379

आधार जायसवाल, इंदौर
15/02/2016

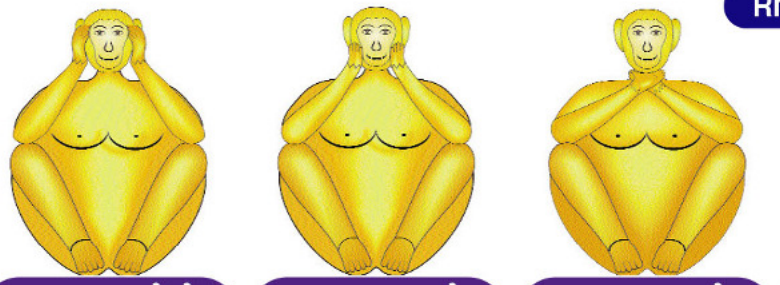

संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल द्वारा बंदरों की परिकल्पना 16 मई 2010 (जनहित में जारी)

कार्ड शिवहरे,जबलपुर
02/02/2015

वर्ष -4 अंक-1 इन्दौर, 15 मार्च 2023 पृष्ठ - 8 मूल्य 1 रुपये

सुविचारः हर प्रयास गलतियों की शुरुवात से प्रारंभ होता है:- आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

Aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

'घर परिवार और अपनो को मुझे बचाना है मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है'

दैनिक भास्कर

रविवार, दिनांक 5 मार्च 2023

पृष्ठ क्रमांक 9 पर प्रकाशित बधाई संदेश

ज़िद करी दुनिया बदली!

दैनिक भास्कर समाचार पत्र के संस्थापक
स्वर्गीय श्री रमेश चंद्र जी अग्रवाल के श्री चरणों में श्रध्दा पूर्वक
समर्पित आधार कार्ड के जन्म की कहानी 'आधारायण-ग्रंथ'।

दैनिक भास्कर एक विश्वसनीय लोकप्रिय समाचार पत्र 40 वर्षों से लगातार मेरा मार्ग दर्शक, हर कदम पर जिम्मेदारी से निभाया है साथ, हमेशा साथ देने का वादा व अद्वतिय भरोसा है, सफलता के 40 निडर अभूतपूर्व ऐतिहासिक वर्ष पूर्ण होने पर आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल इंदौर व कल्चुरी कलाल समाज की ओर से

हार्दिक हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

आधार-कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसायटी

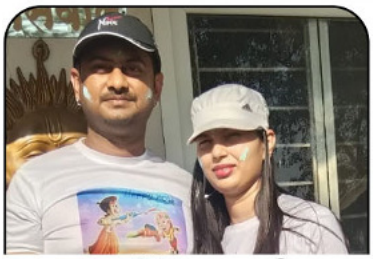

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल अपने पुत्र मासूम, बहु पारूल राय झांसी, पोता आधार, पोती विशिष्ठी के साथ होली का त्यौहार मनाते हुए।

स्प्रैडिंग स्माईल्स संस्था के अध्यक्ष राहुल लोदवाल द्वारा आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आधार कार्ड के जन्म की कहानी 'आधारायण ग्रन्थ' राहुल जी को भेंट करते हुए।

देवास -शाजापुर के सांसद श्रीमान महेन्द्र सिंह जी सोलंकी एवं इन्दौर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गोलु शुक्ला जी के साथ आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल। चित्र गणपति मंदिर मरिमाता चौराहा इन्दौर का।

विनम्र अनुरोध,हमारे दादा जी स्वर्गीय श्री प्यारेलाल जी जायसवाल जिनका समाज सेवा का हमेशा से ही समर्पण रहा है, हेहय क्षत्रिय जायसवाल समाज धर्मशाला निहाल पुरा जवाहर मार्ग इंदौर में सर्व प्रथम सहयोग उन्हीं के द्वारा दिया गया, प्रथम विचार यह की समाज की धर्मशाला इंदौर में हो जिसे काछी मोहल्ला में अपने निवास स्थान पर पहली मिटींग रख कर मूर्त रुप दिया गया, इस कार्य हेतु प्रथम आर्थिक सहयोग कर पहल की गई, उन्होंने ने समाज में अनेक समाज बंधुओं के बच्चों की शादीयां अपने घर काछी मोहल्ला में संपन्न करवाई, उनसे प्रेरणा लेकर उनके बड़े पुत्र एडवोकेट मन्नालाल जी जायसवाल के स्वर्गवासी होने पर उनके उत्तर कार्य में लेन बांटने की सामाजिक कुरुती को समाप्त कर इस कार्य के निमित्त राशी को आर्थिक रूप से कमजोर दो कन्याओं का सामुहिक विवाह शुल्क देने का निर्णय लिया गया है , समस्त समाज बंधुओं से विनम्र अनुरोध है की आप भी लेन बांटने की प्रथा को समाप्त कर उसके निमीत्त राशी को इस प्रकार के सामाजिक कार्य में लगाऐं ।

निवेदक स्व.प्यारेलाल जी जायसवाल काछी मोहल्ला परिवार इंदौर,स्व.धन्नूलाल जी जायसवाल मानपुर,स्व. नारायण दास जी जायसवाल खरगोन,स्व.सच्चुलाल जी जायसवाल स्नेहलता गंज इंदौर परिवार, पुत्री श्रीमती रजनी सुभाष विद्याधर जायसवाल, श्रीमती संध्या राजेन्द्र जायसवाल बुरहानपुर।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा

फार्म – 4

1.	प्रकाशक स्थल	इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	सुनील जायसवाल
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	35, शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इन्दौर (म.प्र.)
4.	प्रकाशक का नाम	सुनील जायसवाल
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	35, शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इन्दौर (म.प्र.)
5.	संपादक का नाम	सुनील जायसवाल
	क्या भारत का नागरिक है	हाँ
	पता	35, शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इन्दौर (म.प्र.)
	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूँजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्से हो।	नहीं

सुनिल जायसवाल एतद द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

हस्ताक्षर

सुनिल जायसवाल

मार्च 2023 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रियजनों को हदृय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

“ करता सब के कल्याण का है काम यही आधार कार्ड का काम ”

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्चूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रियजनों को हदृय की गहराइयों से हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएं...

ओमप्रकाश कच्छावर के पुत्र के विवाह का चित्र

श्रद्धा मेडिकल पप्पु हार्डिया जी की पुत्री के विवाह का चित्र

प्रतापजी ढलई वालों के पुत्र के विवाह का चित्र

श्रद्धा हार्डिया मेहन्दी रश्म का चित्र

मेरे बचपन के स्कूल के मित्र निर्मल जैन के पुत्र के विवाह का चित्र

आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल के ताऊजी श्री मन्नालाल जायसवाल (एम.पी. जायसवाल) इन्दौर हाईकोर्ट एडव्होकेट के तेहरवी के कार्यक्रम में।

पंजीयन क्रमांक 03/27/01/21630/19 पंजीयन दिनांक : 06 जुलाई 2019

संस्था संस्थापक 100 बिलियन + जिनीयस आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

आधार कार्ड धारक आम आदमी अधिकार वेलफेयर सोसायटी

पंजीकृत कार्यालय - 35 शंकर बाग कालोनी, अहिल्या चौराहा, आर्मी हेड क्वार्टर, इन्दौर - 452006 मो. 98272-22811

NOMINATE YOUR HEROES FOR #PEOPLESPADMA 2022

दिनांक :

प्रति, आदरणीय
श्रीमान
सुशील जी
जायसवाल
मान्यवर,

प्रणाम

क्षमा पत्र

आपका निमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ, हम दिल से क्षमा चाहते हैं की किन्हीं कारणों से हम आपके विनम्र आग्रह को परिपूर्ण नहीं कर पाए,दिली चाहत थी की आपके यहां कार्यक्रम में पहुंच कर आपका सानिध्य प्राप्त करते, उक्त गलती के लिए हम पुनः क्षमा चाहते हैं, और भविष्य में भी आपका आशीर्वाद मुझ पर एवं मेरे परिवार पर बना रहेगा आपसे ऐसी अभिलाषा की आशा रखते हैं।

सोसायटी अध्यक्ष एवं प्रधान संपादक, आपके सहृदय आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

समस्त आधार कार्ड धारकों को हार्दिक शुभ कामनाएं बधाई कर्ता - आधार जायसवाल, कार्ड शिवहरे

आधार का हाथ जीवन भर का साथ

आधार बनवाओ आधार बनो आधार पाओ

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक 100 बिलियन + जिनियस सुनील जायसवाल

मौसमी स्टेन लैस स्टील, मासूम जायसवाल. ए.के. शर्मा जी बर्तन बाजार, इंदौर व समस्त जायसवाल, शिवहरे, राय एवं कल्वूरी, कलाल, कलवार, कलार समाज द्वारा समस्त प्रिय दिवंगत मित्रों व स्वजनों को दिल की गहराइयों से विनम्र श्रृद्धांजलि...

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करने में आता है की स्व. राजीव जायसवाल,रजनी, संध्या के पिताजी,सोरभ,ऋषभ, शिवम् के नानाजी एडव्होकेट श्री मन्नालाल प्यारेलाल जी जायसवाल का बुधवार 22 फरवरी 2023 को देहांत हो गया है। जिनका उठावना शनिवार 25 फरवरी 2023 को निज निवास 37 शंकर बाग के कालोनी के गार्डन में 4 बजे से 4.30 बजे तक रखा गया है।

शोकाकुल समस्त स्व.प्यारेलाल जी जायसवाल काछी मोहल्ला परिवार इंदौर,स्व.धन्नूलाल जी जायसवाल मानपुर,स्व. नारायण दास जी जायसवाल खरगोन,स्व.सच्चुलाल जी जायसवाल स्नेहलता गंज, इंदौर,श्री सत्यनारण जी जायसवाल उज्जैन, (आबकारी ठेकेदार) श्री सुरेश जायसवाल कुंवा वाले, श्री सुभाष जायसवाल,श्री अशोक जायसवाल,श्री विजय जायसवाल ,श्री राजेंद्र संतोष कुमार,श्री सुनील संतोष कुमार(आधार कार्ड के जनक), स्वर्गीय शिवा जायसवाल, श्री संदीप जगदीश प्रसाद जायसवाल, श्री आनंद हरिशंकर जायसवाल श्री अविनाश खन्ना,श्री राजेंद्र जायसवाल खरगोन,श्री सुभाष विद्याधर एवम् श्री राजेन्द्र जायसवाल बुराहनपुर।

सोशल मिडिया पर प्रतिदिन प्रसारित

9827222811 E-mail - aadhaarcardkejanaksuniljaiswal@gmail.com

सुविचार

भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल

100 बिलियन+ जिनियस लेखक–सुविचारक

I have to save house family and ours want it to get vaccination today itself.

॥ घर परिवार और अपनों को मुझे बचाना है, मुझे आज ही वैक्सीन लगवाना है ॥

10 साल पुराने कार्ड को अपडेट कराना अनिवार्य

नईदिल्ली। अगर आप अपने आधार में ऑनलाइन जाकर कुछ अपडेट करना चाहते हैं तो अब बिल्कुल मुफ्त में कर सकेंगे। यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने नागरिकों को मुफ्त में आधार के लिए ऑनलाइन दस्तावेज (डॉक्यूमेंट) अपडेट करने की सुविधा प्रदान करने का फैसला किया है। यह सुविधा 14 जून तक जारी रहेगी। 10 साल पुराना आधार कार्ड होने पर इसे अनिवार्य तौर पर अपडेट कराना होगा।

यूआईडीएआई ने लोगों से अपील की है कि मायआधार पोर्टल पर जाकर मुफ्त में दस्तावेजों को अपडेट फैसिलिटी का लाभ उठा सकते हैं। दस्तावेजों को अपडेट करने के लिए कोई फीस का भुगतान नहीं करना होगा, लेकिन आधार केंद्र पर जाकर डॉक्यूमेंट अपडेट करने पर 50 रुपये फीस देने होगा। इससे पहले, निवासियों को आधार पोर्टल पर अपने दस्तावेजों को अपडेट करने के लिए 25 रुपये का भुगतान करना पड़ता था। आधिकारिक बयान में कहा गया है, यूआईडीएआई ने निवासियों को अपने आधार के दस्तावेजों को मुफ्त में ऑनलाइन अपडेट करने की अनुमति देने का फैसला किया, यह एक जन केंद्रित कदम है, जो लाखों निवासियों को लाभान्वित करेगा। मुफ्त सेवा अगले तीन महीनों (यानि 15 मार्च से 14 जून 2023 तक) के लिए उपलब्ध है। आधार नामांकन और अद्यतन विनियम, 2016 के अनुसार, आधार नंबर धारक, आधार के लिए नामांकन की तारीख से हर 10 साल पूरा होने पर पहचान प्रमाण (पीओआई) और पते का प्रमाण (पीओए) दस्तावेज जमा करके कम से कम एक बार आधार में अपने सहायक दस्तावेजों को अपडेट कर सकते हैं, ताकि उनकी जानकारी की निरंतर सटीकता सुनिश्चित की जा सके।

मृत व्यक्ति के आधार कार्ड का हो सकता है गलत इस्तेमाल

फ्रॉड से बचने के लिए तुरंत करें ये काम

इन्दौर। आज के समय में आपको एक सिम कार्ड खरीदना हो, बैंक में खाता खुलवाना हो, अपनी पहचान बतानी हो, राशन कार्ड बनवाना हो या फिर कोई अन्य सरकारी या गैर-सरकारी काम करवाना हो तो आपको आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है। आधार कार्ड की मदद से आप लोन भी ले सकते हैं। आधार में कार्डधारक की बायोमेट्रिक और डेमोग्राफिक जानकारियां होती हैं। इसलिए आधार कार्ड को संभलाकर रखना भी जरूरी हो जाता है। वरना इसका गलत इस्तेमाल तक हो सकता है और खासतौर पर उन लोगों के आधार कार्ड का, जिनका निधन हो चुका है। आप चाहें तो मृत व्यक्ति के आधार कार्ड को ब्लॉक करवा सकते हैं, जिसका तरीका आप आगे जान सकते हैं।

मृत व्यक्ति के आधार को ऐसे सुरक्षित कर सकते हैं आप-

स्टेप 1

अगर आपके किसी अपने का निधन हो गया है, तो आप उसके आधार कार्ड को ब्लॉक करवा सकते हैं ताकि उसका गलत इस्तेमाल न हो सके। इसके लिए आपको यूआईडीएआई की आधिकारिक वेबसाइट uidai.gov.in पर जाना होता है

स्टेप 2

यहां पर आपको मॉय आधार का ऑप्शन नजर आएगा, जिस पर आपको क्लिक करना है। फिर आपको यहां पर लॉक या अनलॉक आधार कार्ड वाले विकल्प को देखना है।

स्टेप 3

जैसे ही आपको ये विकल्प मिले, तो इसे चुन लें। अब बारी है आधार कार्ड नंबर दर्ज करने की। आपको अपना 12 अंकों का आधार कार्ड नंबर दर्ज करना है।

स्टेप 4

फिर कार्डधारक का पूरा नाम और पिन कोड भी भरें। इसके बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर यानी आधार कार्ड से लिंक नंबर पर एक वन टाइम पासवर्ड यानी ओटीपी आएगा, जिसे यहां दर्ज करें। ऐसा करने के बाद आपका आधार कार्ड ब्लॉक हो जाएगा।

आधार कार्ड की फोटोकॉपी शेयर करने पर सरकार ने लगाई रोक?

नईदिल्ली। वर्तमान समय में आधार कार्ड हर किसी का जरूरी डॉक्यूमेंट बन चुका है. आधार में हमारे नाम, पते के साथ आंखों और उंगलियों के निशान भी लिए जाते हैं. कभी-कभी आपके आधार कार्ड से कई तरह के फ्रॉड होने का भी खतरा रहता है. किसी भी सरकारी या प्राइवेट नौकरी या किसी भी शैक्षणिक जगहों पर आवेदन करने के लिए हमसे आधार कार्ड की फोटोकॉपी जरूर मांगी जाती है.

इस बीच वॉट्सऐप पर एक मैसेज तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें ये दावा किया जा रहा है कि अब आधार कार्ड की फोटोकॉपी मांगने को लेकर सरकार ने रोक लगा दी. साथ ही, वायरल मैसेज में आधार का लिंक myaadhaar.uidai.gov.in भी दिया गया है. तो आइए जानते हैं कि वायरल हो रहे इस दावे में कितना सच है और कितना झूठ.

वॉट्सऐप पर वायरल हो रहे मैसेज में दावे के मुताबिक, सरकार ने जनता से किसी भी उद्देश्य के लिए अपने आधार कार्ड की फोटोकॉपी शेयर नहीं करने का आग्रह किया है और आधार कार्ड के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए ये आदेश जारी किया है.

वायरल दावे के अनुसार, सरकार ने सुझाव दिया है कि यदि किसी स्थान पर आधार कार्ड का फोटोकॉपी आवश्यक है तो वहां आधार कार्ड का मास्क्ड फोटोकॉपी (जहां 12 अंकों की आधार संख्या के केवल अंतिम चार अंक दिखाई दे रहे हैं) ही दिया जाना चाहिए.

वॉट्सऐप पर वायरल हो रहा यह मैसेज पूरी तरह से फर्जी है. सरकार ने इस तरह का कोई भी आदेश जारी नहीं किया है. इसको लेकर आधार ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट भी किया है. इसमें बताया गया है कि ये एक फर्जी अलर्ट है, इसे इग्नोर करें और सावधान रहें।

आधार को ऑनलाइन अपडेट करना है तो तीन महीने का मौका, सरकार ने मुफ्त कर दी सर्विस, फिर लगेगी फीस

नई दिल्ली। अगर आप अपने आधार को अपडेट करना चाहते हैं तो आपको अब एक भी पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है। सरकार ने देश के करोड़ों लोगों को बड़ी राहत दी है। यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नागरिकों को मुफ्त में आधार के लिए ऑनलाइन दस्तावेज (डॉक्यूमेंट) अपडेट करने की सुविधा प्रदान करने का फैसला किया है। यूआईडीएआई के मुताबिक, अब आधार अपडेट कराने के लिए आपको पैसे नहीं खर्च करने पड़ेंगे। हालांकि यह सुविधा केवल ऑनलाइन अपडेट कराने पर ही मिलेगी। अगर आधार होल्डर्स अपना आधार अपडेट कराने के लिए फिजिकल काउंटर पर जाते हैं तो इसके लिए रुपये देने होंगे। यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने बताया कि आधार होल्डर्स को इस फ्री आधार अपडेट की सुविधा का फायदा तीन महीने के लिए मिलेगा। आधार कार्ड होल्डर्स 15 मार्च, 2023 से लेकर 14 जून, 2023 तक अपने आधार कार्ड को मुफ्त में ऑनलाइन अपडेट करा सकते हैं।

लगते हैं इतने रुपये- अभी आधार कार्ड किसी भी तरह के अपडेट के लिए लोगों को 50 रुपये की फीस देनी होती है। आधार केंद्र पर जाकर डॉक्यूमेंट अपडेट करने पर 50 रुपये फीस देने होगा। इससे पहले, निवासियों को आधार पोर्टल पर अपने दस्तावेजों को अपडेट करने के लिए 25 रुपये का भुगतान करना पड़ता था। ऑनलाइन भी आधार अपडेट करने पर फीस लगती थी। हालांकि अब यह फ्री कर दी गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुनील जायसवाल द्वारा पकंज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 35 शंकरबाग कालोनी, मरीमाता चौराहा, इंदौर,-452006 से प्रकाशित प्रबंध संपादक : आधार कार्ड के जनक सुनील जायसवाल , मोबाइल नं. 9827222811 (समस्त प्रकरणों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)